सरदार उधम सिंह की 125वीं जयंती

हाल ही में 26 दिसंबर को **सरदार उधम सिंह** की जयंती मनाई गई, जिसमें **जलियाँवाला बाग हत्याकांड** में न्याय के अथक प्रयास के प्रतीक के रूप में उनकी विरासत का स्मरण किया गया।

- **जन्म एवं प्रारंभिक जीवन:** उधम सिंह का जन्म **26 दिसंबर 1899** को पंजाब के संगरूर ज़िले के सुनाम में हुआ था। कम आयु में ही माता-पिता की मृत्यु हो जाने पर यह अमृतसर के केंद्रीय खालसा अनाथालय में पले-बढ़े।
- **जलियाँवाला बाग हत्याकांड के प्रत्यक्षदर्शी:** उधम सिंह 13 अप्रैल 1919 के जलियाँवाला **बाग हत्याकांड में जीवित** बचे थे, जहाँ **ब्रिटिश ब्रिगेडियर जनरल डायर के नेतृत्व में सेना ने** 400 से अधिक निहत्थे नागरिकों की हत्या कर दी थी।
- **क्रांतिकारी गतिविधियाँ:** इस नरसंहार से गहराई से प्रभावित होकर उधम सिंह **वर्ष 1924** में ब्रिटिश शासन के खिलाफ विदेशों में भारतीयों को संगठित करने के लिये **गदर पार्टी में** शामिल हो गए।
    - **वर्ष 1927** में फायरआर्म रखने के जुर्म में उन्हें पाँच वर्ष के कारावास की सज़ा सुनाई गई।
- **बदला और फाँसी: 13 मार्च 1940** को उधम सिंह ने लंदन के कैक्सटन हॉल में एक बैठक के दौरान **माइकल ओ' डायर की हत्या** कर दी।
    - उन्हें 31 जुलाई 1940 को लंदन के पेंटनविले जेल में फाँसी दे दी गई।
- **विरासत:** ***?????-?-?????*** के रूप में सम्मानित, उधम सिंह के अवशेषों को वर्ष 1974 में वापस लाया गया।
    - उनके कार्य औपनिवेशिक उत्पीड़न के विरुद्ध अटूट प्रतिरोध का प्रतीक हैं।

//

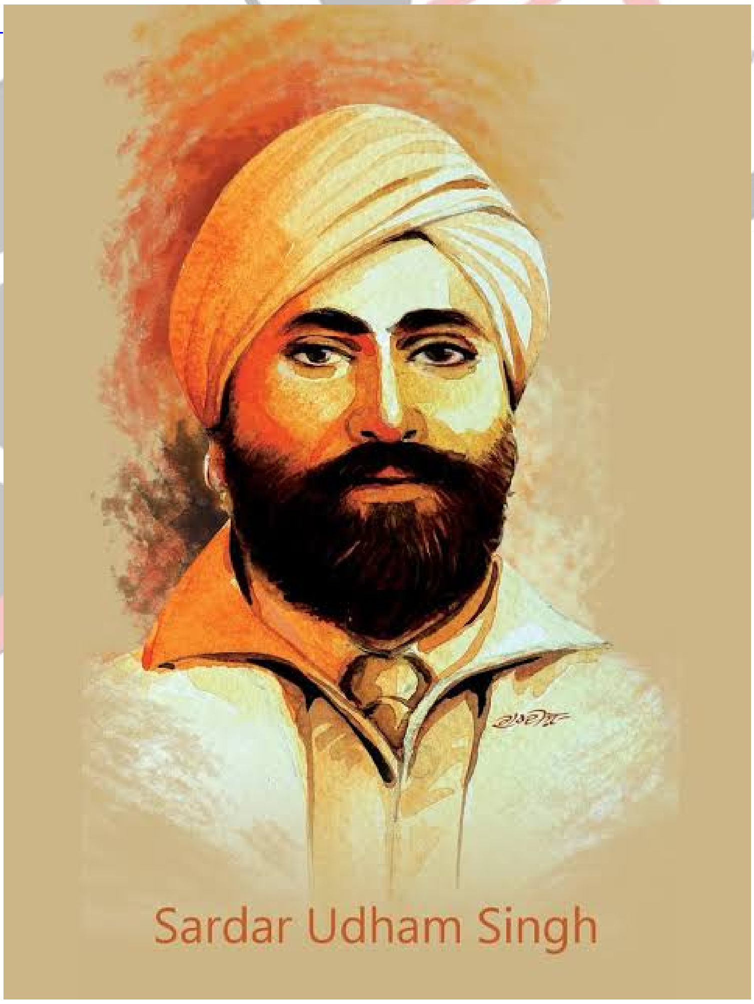

और पढ़ें: सरदार उधम सिंह

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/125th-birth-anniversary-of-sardar-udham-singh